



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 576]  
No. 576]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 23, 1980/पौष 2, 1902  
NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 23, 1980/PAUSA 2, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर, 1980

चाय भाण्डागार (अनुशासन) आदेश, 1980

क्र० आ० 983 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 30 की उपधारा (3) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित आदेश करती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम प्रारम्भ : (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम चाय भाण्डागार (अनुशासन) आदेश, 1980 है :

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं : (1) इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “अधिनियम” से चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) अभिप्रेत है ;

(ख) “अध्यक्ष” से चाय बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत, तत्समय अध्यक्ष की शक्तियों का प्रयोग करने वाला कोई व्यक्ति भी है ;

(ग) “प्रषप” से इस आदेश से संलग्न कोई प्रषप अभिप्रेत है ;

(घ) “अनुज्ञप्ति” से इस आदेश के अधीन दी गई अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है ;

(ङ) “अनुज्ञप्तिधारी” से अनुज्ञप्ति का धारक अभिप्रेत है ;

(च) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से अध्यक्ष या उपाध्यक्ष या इस बाबत केन्द्रीय सरकार द्वारा इस प्रकार प्राधिकृत किया गया चाय बोर्ड का कोई अन्य अधिकारी अभिप्रेत है ;

(छ) “चाय बोर्ड” से अधिनियम की धारा 4 के अधीन स्थापित चाय बोर्ड अभिप्रेत है ;

(ज) “भाण्डागार” से ऐसा ठका हुआ शौड या गोबाम अभिप्रेत है, जिसके फर्श का क्षेत्रफल 5000 वर्गफीट से कम माप का न हो। और जिसमें चाय का भण्डाकरण अथवा सम्मिश्रण किया जाता हो या चाय को पैक किया जाता हो ;

(झ) “भाण्डागार स्वामी” से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो किसी भाण्डागार का स्वामी है या जो किसी भाण्डागार को पट्टे पर लेकर चाय के भण्डाकरण, सम्मिश्रण या पैक करने सम्बन्धी शिथ्याकलाप करता है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इस आदेश में प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं किन्तु चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) में परिभाषित हैं, क्रमशः वही अर्थ होंगे जो उनके उस अधिनियम में हैं।

(3) भाण्डागार-स्वामियों का अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करना:—कोई भी भाण्डागार स्वामी, अनुज्ञप्ति के अधीन और इस आदेश के उपबन्धों के अनुसार के सिवाय, चाय के भण्डारकरण सम्मिश्रण या पैक करने सम्बन्धी क्रिया कलापों को नहीं करेगा :

परन्तु तत्समय प्रयुक्त किसी विधि के प्राधिकार के अधीन स्थापित किसी प्लान न्यास प्राधिकरण को किसी अनुज्ञप्ति की आवश्यकता नहीं होगी ।

4. अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन:—अनुज्ञप्ति प्राप्त करने का प्रत्येक हस्त्युक्त व्यक्ति प्राप्त 'क' में अनुज्ञापन प्राधिकारी को दो प्रतियों में आवेदन करेगा ।

5. अनुज्ञप्ति की मंजूरी या इन्कार:—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी, ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किए जाएंगे, किसी आवेदक को कोई अनुज्ञप्ति मंजूर करने से इन्कार कर सकेगा और उसे इस प्रकार पारित आवेदन की एक प्रति देगा ।

(2) जहाँ अनुज्ञप्ति के लिए कोई आवेदन उपखण्ड (1) नामंजूर नहीं किया जाता है, वहाँ अनुज्ञापन प्राधिकारी आवेदक को प्राप्त 'ख' में अनुज्ञप्ति मंजूर करेगा ।

6. अनुज्ञप्ति की विधिमाम्यता की अवधि:—(1) इस आदेश के अधीन जारी अनुज्ञप्ति जब तक कि पहले से हो रद्द या निलम्बित न कर दी गई हो, उस वर्ष के जिसमें यह जारी की जाती है, 31 दिसम्बर तक विधिमाम्य रहेगी और एक समय में एक वर्ष के लिए नवीकृत की जा सकेगी ।

(2) अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन के साथ वह अनुज्ञप्ति लगी होगी, जिसका नवीकरण चाहा गया है और वह आवेदन उस अनुज्ञप्ति के, जिसका नवीकरण चाहा गया है, अवसान की तारीख से कम से कम तीन दिन पूर्व किया जाएगा ।

7. अनुज्ञप्ति फीस:—अनुज्ञप्ति की मंजूरी या नवीकरण के लिए संवेह फीस क्रमशः पचास रु० और दस रु० होगी ।

8. अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति:—यदि अनुज्ञापन प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि इस आदेश के अधीन जारी की गई अनुज्ञप्ति विरूपित हो गई है, खो गई है, नष्ट हो गई है या अन्यथा बेकार हो गई है तो अनुज्ञापन प्राधिकारी, इस निमित्त किए गए आवेदन पर और दस रुपए की फीस का संवाय किए जाने पर अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति जारी कर सकेगा ।

9. अनुज्ञप्ति की शर्तें:—(1) प्रत्येक अनुज्ञप्ति को अनुज्ञप्ति धारी के नाम में वैयक्तिक रूप से मंजूर या नवीकृत किया गया समझा जाएगा और यह अन्तर्गणीय नहीं होगी ।

(2) जहाँ कोई अनुज्ञप्तिधारी अपने कारबार का किसी अन्य व्यक्ति को विषय या अन्यथा अन्तरण करता है, वहाँ यथास्थिति केता या अन्तरिती, इस आदेश के उपबन्धों के अन्तर्गण में अपने नाम में नहीं अनुज्ञप्ति अभिप्राप्त करेगा ।

(3) यदि कोई अनुज्ञप्तिधारी अनुज्ञप्ति के अन्तर्गत आने वाले कारबार के बारे में भागीदारी करता तो है, वह इस तथ्य को रिपोर्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी को ऐसी भागीदारी करने के तिस दिन के भीतर देगा और अनुज्ञप्ति को यथाचित रूप से संशोधित करा और लेगा तबुपर भागीदार और अनुज्ञप्ति का मूल धारक दोनों यथासंशोधित अनुज्ञप्ति की शर्तों द्वारा आवबद्ध होंगे ।

(4) यदि भागीदारी विघटित कर दी जाती है जो प्रत्येक ऐसा व्यक्ति, जो ऐसे विघटन के ठीक पूर्व भागीदार था, उसके तीन दिन के भीतर अनुज्ञापन प्राधिकारी को विघटन की रिपोर्ट भेजेगा ।

(5) प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी चाय बोर्ड के किसी पदधारी द्वारा जिसे इस निमित्त अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा सम्यक्तः प्राधिकृत किया गया हो, मांग किए जाने पर निरीक्षण के लिए अपनी अनुज्ञप्ति प्रस्तुत करेगा ।

(6) जहाँ कोई अनुज्ञप्तिधारी अपना कारबार बंद करना चाहता है वहाँ वह इस निमित्त अपने आशय की सूचना प्रस्तावित बंद करने के कम से कम एक मास पूर्व, अनुज्ञापन प्राधिकारी को देगा ।

(7) अनुज्ञापन प्राधिकारी चाय उद्योग से परामर्श करके चाय के उत्पादन, भण्डारकरण, सम्मिश्रण, पैकेज बनाने के लिए मान अधिकारित कर सकेगा ।

(8) अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञप्ति मंजूर करने के पूर्व अपना यह समाधान करेगा कि जिस व्यक्ति के लिए अनुज्ञप्ति मंजूर की जाती है—

(क) उस के पास चाय का समुचित सम्मिश्रण करने, उसके पैकेज बनाने, उसे भण्डार में रखने का सुनिश्चित करने के लिए अध्ययनित सुविधाएँ हैं ।

(ख) वह चाय उद्योग के लिए हानिकर रीति में कारबार नहीं करेगा ।

(9) प्रत्येक अनुज्ञप्तिधारी भाण्डागारों में लगाए गए व्यक्तियों द्वारा चाय के हथालने के संबंध में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा समय-समय पर किए गए निवेदों का पालन करेगा ।

(10) अनुज्ञप्ति का निलम्बन या रद्द-करण:—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञप्ति धारक को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् इस आधार पर अनुज्ञप्ति को रद्द या निर्वाचित कर सकेगा कि इस आदेश के किसी उपबन्धों या इस अनुज्ञप्ति की किसी शर्तों का उल्लंघन हुआ है ।

(2) अनुज्ञप्ति को निर्वाचित या रद्द करने वाला प्रत्येक आदेश लिखित रूप में होगा और उसमें निर्वाचन या रद्दकरण के लिए कारण विनिर्दिष्ट होंगे और वह ऐसे आदेश के पारित किए जाने के पन्द्रह दिन के भीतर अनुज्ञप्तिधारी को संसूचित किया जाएगा ।

(3) जहाँ कोई अनुज्ञप्ति इस आदेश के अधीन निर्वाचित या रद्द की जाती है, वहाँ अनुज्ञप्ति का धारक, चाय बोर्ड या केन्द्रीय सरकार से ऐसे निलम्बन या रद्दकरण के लिए किसी प्रतिकर या अनुज्ञप्ति फीस के प्रत्यायन का दावा करने के लिए हक्कार नहीं होगा ।

(11) अपील:—खण्ड 6 (1) या खण्ड 10 के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी के किसी आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति, उसके द्वारा आदेश की प्राप्ति की तारीख से दो मास की अवधि के भीतर, केन्द्रीय सरकार को अपील कर सकेगा और केन्द्रीय सरकार ऐसी जांच करने के पश्चात् जैसी वह ठीक समझे और आवेदक की सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् आदेश को पुष्टि कर सकेगा, उसे उलट सकेगा या उपात्तरित कर सकेगा ।

(12) लेखाओं का रखा जाना, आदि:—(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी किसी अनुज्ञप्तिधारी को निदेश जारी कर सकेगा कि वह—

(क) भाण्डागार द्वारा किसी विशिष्ट अवधि के दौरान किए जा रहे कारबार के परिमाण और भाण्डागार में काम पर लगाए गए व्यक्तियों की संख्या और ऐसे व्यक्तियों के संबंध में अन्य विनिर्दिष्टों के अभिलेख रखेगा ;

(ख) अनुज्ञापन प्राधिकारी को दिखरानियाँ और विवरण ऐसे प्रारूप में और उनके दारबार से संबंधित ऐसी जानकारी सहित और ऐसे समय के भीतर जो निदेश में विनिर्दिष्ट किया जाए, प्रस्तुत करेगा ;

(ग) चाय बोर्ड के ऐसे अधिकारी को, जो अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इन निमित्त प्राधिकृत किया जाए, अपने कारोबार से

संबंधित ऐसी लेखा बहियां और अभिलेख, जो निदेश में विनिर्दिष्ट किए जाएं, निरीक्षण के लिए प्रस्तुत करेगा।

(2) उपखण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रकृति का कोई निदेश आध्यापन या तो सभी अनुज्ञापनधारियों को अथवा किसी वर्ग या प्रवर्ग के अनुज्ञापनधारियों को, जैसी परिस्थितियों में अपेक्षित हो, जारी किया जा सकेगा।

(13) आदेशों और निदेशों की तामील:—अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा या इस आदेश के प्रर्चन किया हुआ प्राधिकारी द्वारा दिया गया या जारी किया गया कोई आदेश या निदेश—

(क) सामान्यतः अनुज्ञापनधारियों को या किसी वर्ग या प्रवर्ग के अनुज्ञापनधारियों को दिसा आदेश या निदेश को दिसा में राजपत्र में अधिसूचित किया जाएगा, और

(ख) किसी विशेष अनुज्ञापनधारी को किसी आदेश या निदेश की वशा में उसका ऐसे अनुज्ञापनधारी पर—

(i) उस अनुज्ञापनधारी को उसका परिचय या निविदान करके तामील की जाएगी, या

(ii) जहां उसका इस प्रकार परिचय या निविदान न किया जा सकता हो, वहां उस परिसर के जिसमें वह अनुज्ञापनधारी रहता है या कारबार करता है या लाभ के लिए व्यक्तिगत रूप से कार्य करता है, बाहरी द्वार पर या किसी अन्य सुव्यवस्थित भाग पर उसे चिपका करके तामील की जाएगी और उसकी एक लिखित रिपोर्ट तैयार की जाएगी तथा पड़ोस में रहने वाले दो व्यक्तियों द्वारा उसकी साक्षी की जाएगी।

(14) प्रविष्टि, तलाशी और अभिग्राहण की शक्ति:— (1) अनुज्ञापन प्राधिकारी या उसके द्वारा लिखित रूप में इस निमित्त विशेषरूप से प्राधिकृत चाय बोर्ड का कोई अधिकारी आदेश के उपबंधों का अनुपालन सुनिश्चित करने के प्रयोजन के लिए किसी भी भांडागार में प्रवेश कर सकेगा और उसकी तलाशी ले सकेगा और किसी ऐसी चाय या चाय के ऐसे उत्पाद का, जिसका भंडारकरण, सम्मिश्रण या पैक किया जाना इस आदेश के उल्लंघन में किया गया प्रतीत होता है, अभिग्राहण कर सकेगा।

(2) इस खण्ड के अधीन कार्रवाई करने वाली कोई अधिकारी ऐसी कार्रवाई करने के चौबीस घंटों के भीतर अनुज्ञापन प्राधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

(3) तलाशियों और अभिग्राहणों से संबंधित, दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1974 का 2) के उपबंध, जहां तक हो सके, इस आदेश के अधीन की गई प्रत्येक तलाशी या अभिग्राहण को लागू होंगे।

प्रारूप 'क'

(देखिए खण्ड 4)

चाय भांडागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980

के खण्ड 3 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

मूल प्रति

दूसरी प्रति

सेवा में

अनुज्ञापन प्राधिकारी,

चाय बोर्ड,

14, बी० टी० एम० मार्ग (ब्रिगेड रोड),

कलकत्ता-1

महोदय,

मैं/हम चाय के भंडारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने संबंधी क्रिया-कलापों के करने के लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं। मैं/हम निम्नलिखित आवश्यक विनिर्देशों देता हूँ/देते हैं :—

(1) आवेदक का नाम (स्पष्ट अक्षरों में) .....

(2) पूरा पता (जिस पर पत्र व्यवहार किया जाए) .....

(3) उस भांडागार का पूरा पता जहां आवेदक चाय का/कि भंडार रखना/सम्मिश्रण करना/पैकेज बनाना चाहता है .....

(4) भांडागार का तल क्षेत्र .....

(5) कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या और प्रवर्ग .....

(6) भांडागार स्वामी भांडागार अपने ही लेखे पर या काला से पट्टे पर या अनुज्ञापन धारण करता है .....

(7) भांडागार में किए जाने वाले कारबार की प्रकृति (भांडा-करण/सम्मिश्रण/पैक करना आदि) .....

(8) ऊपर (7) में अधिकृत कार्य उसके लेखे किए जाते हैं या अन्य व्यक्तियों की ओर से किए जाते हैं और यदि हां, तो मालिक (मालिकों) का (के) नाम और पता (पते)।

.....

(9) संयंत्र फीस की रकम .....

2. मैंने/हमने चाय भांडागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 पढ़ और समझ लिया है और मैं/हम उक्त आदेश के उपबन्धों का पालन करने के लिए सहमत हूँ/हैं।

भवदीय

आवेदक (आवेदकों)  
के हस्ताक्षर

स्थान .....

तारीख .....

(\* जो शब्द लागू न हों उसे काट दें)

प्रारूप 'ख'

(खण्ड 5 देखिए)

चाय बोर्ड

चाय के भंडारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने संबंधी क्रियाकलापों के करने के लिए अनुज्ञापन

(अनन्तरणीय)

चाय भांडागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के खण्ड 5 के अधीन जारी की गई।

1.1. अद्योत रोट,  
(बी टी० एम० मार्गी)

कलकत्ता-1

तारीख .....

अनुज्ञप्ति सं० .....

श्री/सर्वश्री का चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के निबन्धनों के अनुसार, अनुज्ञप्तिधारी के रूप में चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने का कारबार करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

यह अनुज्ञप्ति 31 दिसम्बर, 19.....तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जब तक कि चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के खण्ड 10 के अधीन उस तारीख से पूर्व रद्द या निवन्धित न कर दी जाए, विधिमानी है।

अध्यक्ष, चाय बोर्ड

अनुज्ञापन प्राधिकरण

(जो लागू न हो उसे काट दें)

[सं. के०-11012(2)/80 प्लाण्ट-(ए)]

डी० डब्ल्यू० नेनंग, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Commerce)

### ORDER

New Delhi, the 23rd December, 1980

#### The Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980

**S.O. 983(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (5) of section 30 of the Tea Act 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. (Short title and comment.—(1) This order may be called the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions.—(1) In this Order, unless the context otherwise requires :—

- (a) "Act" means the Tea Act, 1953 (29 of 1953) ;
- (b) "Chairman" means the Chairman of the Tea Board and includes any person exercising, for the time being, the powers of the Chairman ;
- (c) "Form" means a form appended to this Order ;
- (d) "Licence" means a licence granted under this Order ;
- (e) "Licensee" means a holder of a licence ;
- (f) "Licensing Authority" means the Chairman or Deputy Chairman or any other Officer of the Tea Board so authorised by the Central Government in this behalf ;
- (g) "Tea Board" means the Tea Board established under section 4 of the Act ;
- (h) "Warehouse" means a covered shed or godown having a floor area measuring not less than 5,000 square feet wherein storing, blending or packaging of tea is done ;
- (i) "warehouse owner" means a person who owns a warehouse or who carries on the activities of storing, blending or packaging of tea by taking lease of a warehouse.

(2) All the words and expressions used in this order and not defined but defined in the Tea Act, 1953 (29 of 1953), shall have the meaning respectively assigned to them in that Act.

3. Warehouse owners to obtain licence.—No warehouse owner shall carry on the activities of storing, blending or packaging of tea except under a licence and in accordance with the provisions of this Order ;

Provided that no licence shall be required by any Port Trust Authority established under the authority of any law for the time being in force.

4. Application for Licence.—Every person desiring to obtain a licence shall make an application, in duplicate, to the Licensing Authority in Form 'A'.

5. Grant or refusal of licence.—(1) The licensing Authority may, for reasons to be recorded in writing, refuse to grant a licence to any applicant and shall furnish him with a copy of the order so passed.

(2) Where an application for licence is not refused under sub-clause (1), the Licensing Authority shall grant the applicant a licence in Form 'B'.

6. Period of validity of licence.—(1) A licence issued under this Order, unless cancelled or suspended earlier, shall be valid until the 31st December of the year in which it is issued and may be renewed for one year at a time.

(2) Every application for renewal of a licence shall be accompanied by the licence which is sought to be renewed and shall be made not less than thirty days before the date of expiry of the licence which is sought to be renewed.

7. Fee for licence.—The fee payable for the grant or renewal of a licence shall be rupees fifty and rupees ten respectively.

8. Duplicate licence.—If the Licensing Authority is satisfied that licence issued under this Order is defaced, lost, destroyed or otherwise rendered useless, the Licensing Authority may, on application made in that behalf and on payment of a fee of rupees ten issue a duplicate licence.

9. Conditions of licence.—(1) Every licence shall be deemed to have been granted or renewed personally in favour of the licensee and shall not be transferable.

(2) Where a licensee sells or otherwise transfers his business to another person, the purchaser or transferee, as the case may be, shall obtain fresh licence in his favour in accordance with the provisions of this Order.

(3) If a licensee enters into a partnership in regard to the business covered by his licence, he shall report the fact to the licensing authority within thirty days of his entering into such partnership and shall get the licence suitably amended and thereupon the partner as well as the original holder of the licence shall be bound by the conditions of the licence as amended.

(4) If a partnership is dissolved, every person who was a partner immediately before such dissolution shall send a report of the dissolution to the licensing authority within thirty days thereof.

(5) Every licensee shall produce his licence for inspection on demand by an official of the Tea Board duly authorised by the Licensing Authority in this behalf.

(6) Where any licensee intends to close his business, he shall intimate his intention in this behalf to the Licensing Authority at least one month in advance of the proposed closure.

(7) The Licensing Authority may lay down norms for production, storage, blending, packaging of tea in consultation with the Tea Industry.

(8) The Licensing Authority before granting the license shall satisfy himself that the person in whose favour the license is to be granted :—

(a) has the required facilities for ensuring proper blending, packaging or storage of tea ;

(b) shall not carry on the business in a manner detrimental to the tea industry.

(9) Every licensee shall comply with the directions given by the Licensing Authority from time to time regarding the handling of tea by the persons engaged in the warehouses.

(10) Suspension or cancellation of licence.—(1) the Licensing Authority may, after giving the holder of a licence an opportunity of being heard, cancel or suspend the licence on the ground that any of the provisions of this Order or any conditions of the Licence have been contravened.

(2) Every order suspending or cancelling a licence shall be in writing and shall specify the reasons for the suspension or cancellation and shall be communicated to the licensee within fifteen days of the passing of such order.

(3) Where a licence is suspended or cancelled under this Order, the holder of a licence shall not be entitled to claim from the Tea Board or the Central Government any compensation or refund of licence fee for such suspension or cancellation.

(11) Appeal.—Any person aggrieved by an Order of the Licensing Authority under clause 5(1) or clause 10 may, within a period of two months from the date of receipt by him of the order, prefer an appeal to the Central Government and the Central Government may, after making such inquiry as it thinks fit and after giving the applicant an opportunity of being heard, confirm, reverse or modify the order,

(12) Maintenance of accounts etc.—(1) The Licensing Authority may issue directions to any licensee :—

(a) to maintain such records of the volume of business carried on by the warehouse during a particular period and the number of persons engaged in the warehouse and other particulars with regard to such persons,

(b) to submit to the Licensing Authority the returns or statements in such form and containing such information relating to his business and within such time as may be specified in the direction,

(c) to produce for inspection to such officer of the Tea Board as may be authorised in this behalf by the Licensing Authority such books of accounts and records relating to his business as may be specified in the direction.

(2) Any direction of the nature referred to in sub-clause (1) may be issued either generally to all licensees or to any class or category of licensees as the circumstances may require.

(13) Service of orders and directions.—Any order or direction made or issued by the Licensing Authority or by any authority under this Order shall :—

(a) in the case of an order or direction to the licensees in general or to a class or category of licensees be notified in the Official Gazette, and

(b) in the case of an order or direction to a particular licensee, be served on such licensee :—

(i) by delivering or tendering it to that licensee, or

(ii) where it cannot be so delivered or tendered, by affixing it on the outer door or some other conspicuous part of the premises in which that licensee lives, or carries on business, or personally works for gain and a written report thereof shall be prepared and witnessed by two persons living in the neighbourhood.

(14) Power of entry, search and seizure.—(1) The Licensing Authority or any officer of the Tea Board specially authorised by it in writing in this behalf may enter and search any warehouse for the purpose of ensuring compliance with the provisions of the Order and may seize any tea or product of tea which appears to be stored, blended or packaged in contravention of the provisions of this Order.

(2) Any officer taking action under this clause shall submit a report to the Licensing Authority within twenty four hours of taking such action.

(3) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), relating to searches and seizures, shall, so far as may be, apply to every search or seizure made under this order.

#### FORM 'A'

(See Clause 4)

Application for registration under Clause 3 of the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1980

ORIGINAL\*

DUPLICATE

To

The Licensing Authority,  
Tea Board,  
14, B.T.M. Sarani (Brabourne Road),  
Calcutta-1.

Sir,

I/We\* apply for registration for carrying on the activities of storing/blending/packaging of tea.

I/We\* furnish the necessary particulars below :—

(1) Name of the Applicant (in block letters) :

(2) Full address (to which correspondence should be sent) \_\_\_\_\_

(3) Full address of the warehouse where the applicant intends to do storing/blending/packaging of tea : \_\_\_\_\_

(4) Floor area of the warehouse \_\_\_\_\_

(5) Number and category of workers/labour \_\_\_\_\_

(6) Whether the warehouse owner holds the warehouse on his own account or on lease or on permission from the owner. \_\_\_\_\_

(7) Nature of business (storing/blending/packaging etc.) to be carried out in the warehouse: \_\_\_\_\_

(8) Whether the operations stated at (7) above are carried out on his own account or on behalf of other person, and if so, furnish the names and address of the Principal(s). \_\_\_\_\_

(9) Amount of fees paid \_\_\_\_\_

2. I/We have carefully read and understood the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1980, and hereby agree to abide by the provisions of the said Order.

Yours faithfully,

Signature of the applicant(s)

Place— \_\_\_\_\_

Date— \_\_\_\_\_

(\* score out the word not applicable)

## FORM 'B'

(See Clause 5)

## TEA BOARD

Licence for carrying on the activities of Storing/Blending/  
Packaging of Tea

(Not Transferable)

Issued under Clause 5 of the Tea Warehouse (Licensing)  
Order, 1980.

14, Brabourne Road,

(B.T.M. Sarani),

Calcutta-1.

Dated \_\_\_\_\_

Licence No \_\_\_\_\_

Shr/Sarvashri is/are hereby authorised to carry on the  
business of storing/blending/packaging of tea as a Licensee  
in terms of the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1980.

This licence is valid upto and including 31st December,  
1980, unless cancelled or suspended before that date under  
Clause 10 of the Tea Warehouse (Licensing) order, 1980.

Chairman, Tea Board

Licensing Authority

(score out the word not applicable)

[No K-11612(2)/80-Plant(A)]

D. W. TELANG, Joint Secy.